

!!> म्हारै राम राम राम, सतगुरु सायब आया जी <!!

भला ही आया जी, सतगुरु खूब आया जी ।

म्हारै राम राम राम, सतगुरु सायब आया जी ॥

दूर देश से चलकर आया, सिर माथे पग म्हारे ल्याया ।

आवो जी महाराज म्हारे, साधा रो उमाओ ॥

उच्या थल्ला माथे कोई बेसणा जी, कोई जाजम देवा बिछाय ।

थारा चरण धोय चरणामृत लेवा, म्हारे फेर कद आवोगा ॥

भाव का भोजनिया गुराजी, थाने तनमन वारा जी ।

आज रेन विश्राम करो म्हारे , फेर कद आवोगा ॥

नाथ गुलाब मिल्या गुरु पूरा, म्हाने त्यारण आया जी ।

भानीनाथ शरण सतगुरु की, बधावा गाया जी ॥

जय श्री नाथजी की